35 दिनों में भारत की सबसे बड़ी आधिकारिक संरचना के निर्माण हेतु अनुबंध

एनएचएसआरसीएल ने मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर के अपने सबसे लंबे सिविल वर्क (सी4) पैकेज के लिए अपना पहला अनुबंध प्रदान किया है। अनुबंध के विवरण में 237 किमी लम्बा पुल, 4 स्टेशन, डिपो और एमएएचएसआर गलियारे के लिए एक पर्वत सुरंग के डिजाइन पर परीक्षण और कमीशन सहित सिविल और भवन निर्माण के डिजाइन और निर्माण शामिल हैं। सी-4 पैकेज 25,000 करोड़ रुपये के आसपास है और यह गुजरात के वापी और वडोदरा के बीच 508 किमी लंबे गलियारे के कुल संरेखण के लगभग 47 प्रतिशत को 24 नदियों के साथ-साथ ही 30 रोड क्रॉसिंग कवर करेगा, जिसमें चार स्टेशन, जैसे सूरत, वापी, बिलिमोरा और भरूच शामिल हैं।

देश के सबसे बड़े अनुबंधों में से एक होने के बावजूद, नियमित प्रक्रिया के विपरीत आदेश प्राप्त करने की अंतिम तिथि से, जोकि 3 से 6 महीने के बीच कभी भी होती है, इस अनुबंध को केवल 35 दिनों की अवधि में पूरा करने का निर्णय लिया गया। इसी पर चर्चा करते हुए, 23 सितंबर, 2020 को इसी के लिए आदेश प्राप्त हुए और 28 अक्टूबर 2020 को एलएंडटी को लैटर ऑफ एक्सेसमेंट (एलओए) जारी किया गया।

आरंभ में महामारी की चुनौतियों में यह जटिल लगा। इसमें दिल्ली, सूरत और अहमदाबाद आदि कार्यालयों से दूरस्थ रूप से काम करना था। टीम के एक हिस्से में जापानी सहयोगी थे जो दूरस्थ रूप से काम कर रहे थे, उनके साथ एक ऐसी भाषा में संवाद करना जो कि बिना किसी त्रुटि के सभी पक्षों द्वारा समझी जा सके, बहुत मुश्किल था।

कोविड प्रोटोकॉल का पालन किया गया। शारीरिक बैठकों के दौरान सभी सामाजिक दूरियों के मानदंडों का अभ्यास किया गया था, बैठक में भाग लेने वाले व्यक्तियों की संख्या को न्यूनतम रखा गया था और जहां भी शारीरिक संपर्क से बचा जा सकता था, वहां नियमित अनुवर्ती और समन्वय के लिए डिजिटल और दूरसंचार माध्यम का उपयोग किया गया था।

चूंकि इसमें कई लोग और विभाग शामिल थे, इसलिए उचित समन्वय महत्त्वपूर्ण था। उदाहरण के लिए, स्टेशन के डिजाइन से संबंधित एक छोटे-से विवरण को अंतिम रूप देने के लिए, सिविल, इंजीनियरिंग, दूरसंचार और सिग्नलिंग, इलेक्ट्रिकल, आर्किटेक्ट आदि जैसे कई विभागों के साथ समझौते की आवश्यकता थी। इसलिए टीम में सभी विभागों के विशेषज्ञों का मिश्रण शामिल था और आर्किटेक्ट, सिविल इंजीनियर, डिजाइनर, इलेक्ट्रिकल और सिग्नलिंग इंजीनियर, कॉन्ट्रैक्ट पैकेज आदि पर एक साथ काम करने वाले विभिन्न विषयों के 50 से अधिक इंजीनियर थे। प्रत्येक चरण में दक्षता हेतु प्रत्येक विभाग के प्रमुख द्वारा नियमित बैठकें की गईं। वरिष्ठ प्रबंधन ने टीम का मार्गदर्शन किया और गुणवत्ता से समझौता किए बिना कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए मिनट विवरण का पर्यवेक्षण किया। पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन भी एनएचएसआरसीएल के सामान्य सलाहकार, जेआईसीसी (जापान इंटरनेशनल कंसल्टेंट्स

कंसोर्टियम) द्वारा टीम के सदस्यों को किसी भी बाधाओं को दूर करने के लिए बढ़ाया गया था।

सी4 पैकेज के लिए अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर समारोह 26 नवंबर 2020 को एनएचएसआरसीएल के दिल्ली कार्यालय में हुआ। आयोजन के दौरान भारत में जापान के राजदूत, श्री संतोषी सुजुकी ने कहा, संयुक्त प्रयासों के जरिए जापान की तकनीकी विशेषज्ञता और जानकारी भारत को हस्तांतरित की जाएगी। हाई स्पीड रेल परियोजना भारतीय रेल प्रणाली और इसकी संस्कृति को एक नया दृष्टिकोण प्रदान करेगी, जिसमें शीर्ष स्तर की सुरक्षा, आराम और सुविधा होगी।

सभी सिविल पैकेज कॉण्ट्रैक्ट के लिए भारतीय कंपनियों के लिए खुले हैं और उनसे उम्मीद की जाती है कि वे भारतीय कंपनियों के लिए गुणवत्ता मानकों को बढ़ाएँ और HSR की आवश्यकता को पूरा करने के लिए भारतीय तकनीशियनों के कौशल को बढ़ाएँ। अनुबंध पर हस्ताक्षर समारोह से पहले आदेश दस्तावेजों के 30,000 से अधिक पृष्ठों को टीम ने स्क्रैच से तैयार किया था, वह भी बिना किसी संदर्भ के। इसके अतिरिक्त, अनुबंध दस्तावेजों के 20,000 पृष्ठों को दो सेटों में तैयार किया गया था, जिनमें से प्रत्येक पृष्ठ पर दोनों पक्षों द्वारा व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर किए गए थे। इन 35 दिनों में से अधिकांशत: कार्यालय बैठक कक्षों में अंतिम रूप देने और चर्चा करने में तथा मिनटीय विवरणों को तकनीकी आदेशों में प्रस्तुत किया गया। सी-4 पैकेज के लिए निर्माण गतिविधियां शुरू हो गई हैं और एनएचएसआरसीएल टीम चुनौती लेने और निर्धारित समय के भीतर काम पूरा करने के लिए तैयार है। ■